रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 28 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 2 दिसम्बर 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक

सादगी, समसति और सद्भाव का संदेश देती मोहन के आंगन की शादी

जब सत्ता ने थामा सादगी का हाथ

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के छोटे पुत्र डॉ अभिमन्यु यादव का डॉक्टर इशिता के साथ हाल ही में उज्जैन में संपन्न हुआ विवाह इस प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में सामाजिक समरसता ,सादगी और सद्भाव की वह मिसाल बना है जिसने सारे देश का ध्यान बरबस ही इस विवाह की ओर न केवल खींचा है बल्कि विवाह में सादगी का दौरा पुनः आए इस विचार को सींचा भी है । किसी भी प्रदेश का मुख्यमंत्री इस प्रजातंत्र में एक तरह से प्रदेश का शासक या यू कहें कि प्रजातंत्र का राजा होता है तो शायद गलत नहीं होगा । मगर वही मुख्यमंत्री अपने बेटे की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन से करता है तो आम जनता के मुंह से बरबस ही वह निकलती है। यह इस कारण भी स्वाभाविक है कि एक और जहां और राजनेताओं, प्रशासनिक अफसरों समैण नवधनाढ्यों के लिए शादियां दिखावे का इवेंट हो गया है ।मगर इस कालखंड में यदि कोई व्यक्ति समर्थ होने के बाद भी अपने बेटे की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन से करता है तो निश्चित ही वह एक बहुत बड़ी लकीर खींचता है ।और यह साहस कर दिखाया है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने जो इस कालखंड में देश के एकमात्र ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे जिन्होंने अपने बेटे का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में संपन्न करवा के न केवल एक उदाहरण प्रस्तुत किया है बल्कि इतिहास के पन्ने में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने नवाचारों के साथ सादगी पूर्ण और आडंबर रहित जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं ।मुख्यमंत्री बनने के बाद और राजनीति में कई बड़े सोपान चढ़ने के बाद भी उनका ठेठ बिंदास मालवी मानस और मालवी अंदाज उनके अंतस में और साथ ही व्यवहारिक जीवन में जीवन्त दिखाई देता है। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्य और कार्यकाल जनता जनार्दन के सामने ऑडिट के लिए है ही जो अपेक्षाकृत बेहतर ही माना जाता है । बेशक वे एक मुख्यमंत्री के तौर पर निश्चित खरे उतरे हो मगर एक बेटे के पिता और परिणय सूत्र बंधन में बंधने जा रहे पुत्र के अभिभावक के रूप में उन्होंने पिछले दिन उज्जैन में जो किया है वह अब देश नहीं बल्कि विश्व में चर्चा का विषय बना हुआ है ।वह म प्र जैसे महत्वपूर्ण और बड़े प्रदेश के ताकतवर मुख्यमंत्री हैं और उनके चाहने मात्र से उनके पुत्र अभिमन्यु का विवाह समारोह किसी सेवन स्टार होटल में राजसी ठाट-बाट से आयोजित हो सकता था। मगर एक सही और प्रजा पालक शासक के रूप में उन्होंने अपने पुत्र का विवाह उज्जैन में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में करने का निर्णय लेकर आम जनता को यह संदेश दिया कि बेशक मैं मुख्यमंत्री जरूर हूं लेकिन हूं मैं आप जैसा आम इंसान ,जो अपनों के बीच इस खुशी को बांटकर ,आम इंसानों के बीच आम इंसान ही बना रहना चाहता है। इस सम्मेलन में उनके पुत्र सहित विभिन्न समाजों के कुल 21 जोड़े परिणय बंधन में बंधे जिन्हें आशीष देने के लिए विभिन्न राजनेताओं के साथ देश का प्रतिष्ठित संत समाज भी उपस्थित था।

इस समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें विभिन्न समाज, जाति और वर्ग के जोड़े बिना किसी भेदभाव ऊंच ,नीच और जाति, वर्ग के एक ही मंडप के बीच परिणय सूत्र में बंध रहे थे। और इन्हीं सबके बीच मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के पुत्र और पुत्र वधू भी थे। निश्चित रूप से यह कोई फिल्मी सेट पर किसी फिल्म का दृश्य शूट नहीं हो रहा था बल्कि जीवन के रंग मंच का वह दृश्य था जो जाति ,वर्ग और आर्थिक असमानता से ऊपर उठकर वसुदेव कुटुंबकम और हम सब एक हैं की आत्मा को साकार प्रस्तुत कर रहा था यह सामाजिक सद्भाव और समरसता की वह जीवंत प्रस्तुति थी जो सालों बाद देखने में आई और बाबा महाकाल के साथ उज्जैन की धारा इसकी साक्षी बनी। इस समारोह में हमारे सनातन मूल्य के दर्शन भी हुए क्योंकि मंच पर देश के विख्यात साधु संतों ने मंत्रोचार से नवदम पत्तियों को न केवल आशीष दिया बल्कि सप्तपदी की रस्म पूरे वैदिक ,सनातनी ,विधि विधान से संपन्न भी कराई ।

बेशक इस सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बेटे की शादी जरूर थी मगर विवाह की पाती बेहद साधारण सरल और सादगी से परिपूर्ण थी। इसमें डॉक्टर मोहन यादव के बेटे का नाम जरूर था मगर उन सभी 21 जोड़ों के बीच और खास बात यह है कि मोहन यादव का नाम इस निमंत्रण पाती में बतौर मुख्यमंत्री नहीं था बल्कि अविभावक के रूप में सिर्फ और सिर्फ मोहन यादव भर था। अब सहजता ,सादगी और आडंबर से दूर इससे बड़ी मिसाल और क्या होगी ? यह इस बात को भी दर्शाता है कि मोहन राज में आम आदमी और मोहन यादव के परिवार में कोई फर्क नहीं है क्योंकि सत्ता शिखर पर बैठे व्यक्ति का पुत्र और सामान्य तथा दलित का पुत्र एक ही मंडप के नीचे परिणय सूत्र में बंध रहे हैं। सामाजिक समरसता शायद यही है और सामाजिक समरसता ऐसी होनी और रहनी भी चाहिए। मोहन यादव का यह प्रयास निश्चित रूप से उन तमाम लाखों परिवारों के लिए एक संदेश है जो महंगी शादी के कारण न केवल कर्ज के बोझ से दब जाते हैं बल्कि अपनी जीवन भर की बचत को भी इसमें लगा बैठेते हैं। उनका यह आयोजन यह भी स्पष्ट करता है कि विवाह केवल पैसे का दिखावा और फिजूल खर्ची नहीं है बल्कि एक संस्कार युक्त वह आयोजन है जिसका हमारे सनातन में धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है और यही शायद सबसे महत्वपूर्ण है।

एकाध पार्टी तो ऐसी हैं जो पराजय ही नहीं पचा पाती... संसद सत्र से पहले पीएम मोदी ने विपक्ष को सुना दि, 10 बड़ी बातें

संसद के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से खास अपील की है। उन्होंने कहा कि ये सत्र, संसद देश के लिए क्या सोच रही है, संसद देश के लिए क्या करना चाहती है, संसद देश के लिए क्या करने वाली है, इन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए, चर्चा में मजबूत मुद्दे उठाए। पराजय की निराशा से बाहर निकलकर आएं। उन्होंने आगे दो टूक कहा कि एकाध पार्टी तो ऐसी हैं जो पराजय ही नहीं पचा पाते। पराजय ने कुछ दलों को परेशान कर दिया है।

पीएम मोदी की विपक्ष को खरी-खरी

प्रधानमंत्री ने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि पराजय से बौखलाहट नहीं होना चाहिए, विजय से अहंकार नहीं होना चाहिए। ये सत्र विजय के अहंकार में भी नहीं बदलना चाहिए। विपक्ष पराजय की हताशा से बाहर निकले। पीएम मोदी ने कहा कि ड्रामा करने के लिए बहुत जगह होती है, जिसको करना है करते रहे। यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारे नहीं नीति पर बल देना चाहिए और वो आपकी नीयत होनी चाहिए। हो सकता है कि राजनीति में नकारात्मकता कुछ काम आती होगी लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए कुछ सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद सत्र पर कहा कि ये शीतकालीन सत्र सिर्फ रस्म नहीं है बल्कि राज्य को प्रगति की ओर तेज गति से लेने जाने के जो प्रयास चल रहे हैं, उसमें ऊर्जा भरने का काम ये शीतकालीन सत्र करेगा। ऐसा मेरा विश्वास है।

जिस गति से आज भारत की आर्थिक स्थिति नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही है। विकसित भारत के लक्ष्य के और जाने में ये हममें नया विश्वास तो जगाती ही है, नई ताकत भी देती है।

शीत सत्र से पहले विपक्ष को नसीहत

पीएम मोदी ने कहा कि मेरा सभी दलों से आग्रह है कि शीतकालीन सत्र में पराजय की बौखलाहट को मैदान नहीं बनना चाहिए और ये शीतकालीन सत्र विजय के अहंकार में भी परिवर्तित नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सत्र, संसद देश के लिए क्या सोच रही है, संसद देश के लिए क्या करना चाहती है, संसद देश के लिए क्या करने वाली है, इन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

'पराजय की निराशा से बाहर निकलकर आए विपक्ष'

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य ये है कि 1-2 दल तो ऐसे हैं कि वो पराजय भी नहीं पचा पाते। मैं सोच रहा था कि बिहार के नतीजों को इतना समय हो गया, तो अब थोड़ा संभल गए होंगे। लेकिन, कल जो मैं उनकी बयानबाजी सुन रहा था, उससे लगता है कि पराजय ने उनको परेशान करके रखा है। संसद सत्र में विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए, चर्चा में मजबूत मुद्दे उठाए। पराजय की निराशा से बाहर निकलकर आएं।

»» पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ लोकतंत्र की मजबूती और इस लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर अर्थतंत्र की मजबूती को भी दुनिया बहुत बारीकी से देख रही है। भारत ने सिद्ध कर दिया है कि Democracy can deliver. जिस गति से आज भारत की आर्थिक स्थिति नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही है। विकसित भारत के लक्ष्य के और जाने में ये हममें नया विश्वास तो जगाती ही है, नई ताकत भी देती है।

इंदौर RTO में पत्रकार पर जानलेवा हमला

सरदारपुर पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन, उच्च स्तरीय जाँच की मांग

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर। इंदौर आरटीओ कार्यालय में न्यूज़ 24 के वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा और उनके कैमरामैन पर हुए गंभीर हमले के विरोध में आज सरदारपुर तहसील के पत्रकारों ने एकजुटता दिखाते हुए मुख्यमंत्री के नाम एसडीओपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने इस घटना को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला बताते हुए दोषियों पर तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि इंदौर आरटीओ कार्यालय के भीतर पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार, कैमरा तोड़फोड़ और जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि यह घटना कथित तौर पर कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन के प्रतिशोध में की गई। पत्रकारों को न सिर्फ पीटा गया, बल्कि उन्हें बंधक बनाने की कोशिश भी की गई। मुख्यमंत्री के नाम दिए गए इस ज्ञापन का वाचन मयंक जायसवाल ने किया। इस अवसर पर सरदारपुर तहसील प्रेस क्लब अध्यक्ष भागीरथ जी चौधरी, दसाई युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष चौधरी, महेश पाटीदार, मनोज बैरागी, कांतिलाल मारु, सुनील मारु, दीपक कुमार जैन, राहुल खराड़ी, जीवन ग्रेवाल, बालू सिंह बरिया, मुकेश सोलंकी, अजय चोयल और अंकित चौधरी, दिलीप पाटीदार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित थे। पत्रकारों ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री इस गंभीर प्रकरण का संज्ञान लेकर त्वरित और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

शुद्ध अंतःकरण से ही आनंद का अवरोहण संभव है

शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है। और, शुद्धि पाने का सहजतम मार्ग है सहज योग। सहज योग के अनुसार श्री गणेश का स्थान हमारे मूलाधार चक्र पर है। श्री गणेश सदैव बाल रुप में हैं और अबोधिता के गुण को मानव मात्र में स्थापित करते हैं। श्री गणेश के आशीर्वाद के बगैर हमारे अंदर शुद्धता व अबोधिता नहीं आ सकती क्योंकि जब यह गुण हमारे अंदर स्थापित होता है तभी सेक्रम बोन में तीन कुंडल में सुप्तावस्था में विराजमान कुंडलिनी मां जागृत होती है और उधर्वगति की ओर चलायमान होती है और मनुष्य के अंदर अबोधिता, पवित्रता और बुद्धिमता के गुण स्थापित होते हैं।

हमारे दैनिक जीवन में पवित्रता का विशेष महत्व है। साधना की पहली सीढ़ी ही पवित्रता है। जीवन में जितनी पवित्रता होती है, जीवन का उत्कर्ष भी उतना ही होता है। शुद्धि से तात्पर्य मात्र शरीर का नहीं है, बल्कि मन, प्राण और भाव-विचार के साथ-साथ हमारा अंतःकरण भी निर्मल होना चाहिए। शुद्धता के गुण आते ही व्यक्ति धीरे-धीरे अज्ञान व अंधकार के आवरण को पार कर प्रकाशित स्थिति प्राप्त करता है। इस शुद्धि के फलस्वरूप मन की शांति, चित्त की स्थिरता और प्राण की एकाग्रता व हृदय की तन्मयता का प्रादुर्भाव स्वभावतः होने लगता है। आनंद का अवरोहण भी तभी संभव होता है। शुद्धि से आत्मा विभिन्न वासनाओं और आकर्षणों से मुक्त होती है। और...सिद्धि प्राप्ति से पहले की प्रारंभिक अवस्था शुद्धि ही है।

शुद्ध भावों वाला व्यक्ति ही परमात्मा को भी प्रिय होता है। उसके पूजन-अर्चन व प्रार्थना में शुचिता यानी पवित्रता का विशेष महत्व है। आचार-विचार के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों जैसे व्यापार में पैसे के लेन-देन और नौकरी आदि में ईमानदारी व कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान बने रहना भी पवित्रता की ही श्रेणी में आते हैं। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो, वह वहां रहते हुए ही पवित्रता का ध्यान रखने योग्य बन जाता है। पवित्रता को नित्य-प्रतिदिन की दिनचर्या में रखकर हम अपना बैद्धिक स्तर तो उत्तम बना ही सकते हैं, साथ ही, स्वयं सुखी रहते हुए अन्य लोगों को भी इस राह पर अग्रसर कर सकते हैं। पवित्रता जीवन का मूल आधार है। आज समाज में जो नैतिक पतन हो रहा है उसका एक खास कारण शुचिता की ओर ध्यान नहीं दिया जाना है। व्यक्ति जैसे ही पवित्रता की तरफ एक कदम बढ़ाता है, उसकी सोच में निखार आता है, उसकी भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। अन्य लोग भी ऐसे व्यक्ति के प्रति श्रद्धा व आस्था का भाव रखने लगते हैं। जो भी महापुरुष या ऋषि-मुनि इस देश में हुए हैं, उन्होंने साधना के संदर्भ में पवित्रता को विशेष महत्व दिया है। वे ही हमारे प्राचीन व आधुनिक भारत के प्रेरणास्त्रोत बने। सच तो यह है कि पवित्रता का ध्यान रखे बगैर मानव जीवन का कल्याण संभव ही नहीं है। श्री गणेश का पूजन मात्र एक कर्मकांड बनकर ना रह जाये इसीलिए सहज योग ध्यान पद्धति से जुड़कर उत्थान मार्ग पाने का प्रयास होना चाहिए। तो चलिए सहज योग से जुड़ते है। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है। आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

चंबल की अनकही सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान

वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली की पुस्तक का मध्य प्रदेश विधानसभा में हुआ विमोचन

दिव्यानंद अर्गल

भोपालः- मध्यप्रदेश विधानसभा के विधान परिषद सभागृह में आज सोमवार को वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली द्वारा रचित महत्वपूर्ण कृति 'चंबल संस्कृति एवं विरासत' का भव्य विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने संयुक्त रूप से पुस्तक का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री राम निवास रावत तथा भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। देव श्रीमाली की यह पुस्तक चंबल नदी तट एवं आसपास के अंचल की अनदेखी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक धरोहर को नए दृष्टिकोण से सामने लाती है। चंबल को प्रायः अपराध या डर की कहानियों से जोड़ा जाता रहा है, जबकि इस क्षेत्र की जड़ों में समृद्ध संस्कृति, परंपराएँ और गौरवशाली विरासत सदियों से जीवंत हैं। लेखक ने इस अनछुए पक्ष को शोधपूर्ण अंदाज में संजोकर व्यापक समाज के समक्ष प्रस्तुत किया है। यह कृति न सिर्फ भविष्य की पीढ़ियों को चंबल के वास्तविक स्वरूप से रूबरू कराएगी बल्कि संदर्भ सामग्री के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने लेखक को इस मूल्यवान शोध के लिए बधाई देते हुए पुस्तक के अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार, 2 दिसम्बर 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक

शादी समारोह एवं सामाजिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस द्वारा किया गया मैरेज गार्डन संचालकों, डीजे संचालकों व होटल प्रबंधकों के साथ बैठक का आयोजन

डीसीपी जोन-02 द्वारा सभी को नियमानुसार आयोजन करने के संबंध में दिए, आवश्यक दिशा निर्देश

आदित्य शर्मा

इंदौर- शहर मे विवाह समारोह आदि को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, शांति व्यवस्था, ट्रैफिक सुचारू संचालन एवं ध्वनि नियंत्रण सुनिश्चित करने हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा इंदौर पुलिस को सभी से समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक द्वारा नगरीय जोन-02 क्षेत्र के सभी मैरेज गार्डन संचालकों, डीजे संचालकों, होटल आदि के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन आज दिनांक 27.11.25 को पुलिस कंट्रोल रूम के सभागार में किया गया।

उक्त बैठक में अति. पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेंद्र सिंह , एसीपी विजय नगर श्री राजकुमार सराफ, एसीपी परदेशीपुरा श्रीमती हिमानी मिश्रा, एसीपी खजराना श्री कुंदन मंडलोई व अनुभाग के सभी थाना प्रभारीगण और मैरेज गार्डन , डीजे, होटल आदि के करीब 250 प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। डीसीपी द्वारा सभी को विवाह समारोह आदि के आयोजन के दौरान सुरक्षा, शांति व्यवस्था, ट्रैफिक के सुचारू संचालन एवं ध्वनि नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए संचालन हेतु निम्न निर्देश दिए-

सुरक्षा एवं निगरानी संबंधी निर्देशः सभी मैरेज गार्डन में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित करें, जिससे पूरा परिसर कवर हो सके। कैमरों का 24×7 रिकॉर्डिंग मोड में संचालन अनिवार्य है तथा फुटेज 30 दिन तक सुरक्षित रखें। आयोजन स्थल पर आने वाले मेहमानों के कीमती सामान हेतु सुरक्षित काउंटर/सेफ-जोन की व्यवस्था रखें। सभी गार्डन/कैटरिंग/इवेंट कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से कराएं। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष या नजदीकी थाने को दें।

ध्वनि नियंत्रणः डीजे एवं साउंड सिस्टम को निर्धारित ध्वनि सीमा में ही संचालित किया जाए। रात्रि 10 बजे के बाद तेज ध्वनि वाले डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। गार्डन परिसर के अंदर डीजे की ध्वनि नियंत्रित रखने की जिम्मेदारी गार्डन संचालक की होगी।

ट्रैफिक एवं बारात प्रबंधनः

बारात निकालते समय मुख्य सड़क पर यातायात बाधित न करें। बारात निकालते समय मुख्य सड़क पर यातायात बाधित न हो इसके लिए अपने वालियटियर्स भी व्यवस्था करें। विवाह स्थल पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था, अलग प्रवेश–निकास मार्ग और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था अनिवार्य है साथ ही सुरक्षा गॉर्ड की भी व्यवस्था हो। सड़क पर अनावश्यक वाहनों का जमावड़ा, पार्किंग अव्यवस्था या जाम की स्थिति कानूनी कार्रवाई के दायरे में आएगी।

आयोजन स्थल की सुरक्षा व्यवस्थाः गार्डन में फायर सेफ्टी उपकरण जैसे फायर एक्सटिंग्विशर, इमरजेंसी एग्जिट और फर्स्ट-एड किट उपलब्ध हों और ये कहा पर है इसके लिए डिस्प्ले बोर्ड भी हो। फायर सेफ्टी उपकरण जैसे फायर एक्सटिंग्विशर चालू अवस्था में हो और इसको उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ उपस्थित हो। आयोजक कार्यक्रम का समय, भीड़ का अनुमान और विशेष व्यवस्थाएं समय रहते स्थानीय थाने को अवगत कराएं। विवाह स्थल पर कुशल सुरक्षा गार्ड/व्यवस्था कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करें।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देशः

आतिशबाजी का उपयोग नियंत्रित व सुरक्षित दूरी से किया जाए। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि पर तत्काल रोक लगाई जाएगी। प्रशासन के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी यशवर्धन महाराज का जन्मदिवस इंदौर में भव्य आध्यात्मिक उत्सव

आदित्य शर्मा

इंदौर। षट्दर्शन साधु मंडल बद्रिकाश्रम के बाल योगी मोनी ब्रह्मचारी महंत स्वामी यशवर्धन महाराज का जन्मदिवस एक तू ही गुरुद्वार जयगुरूदेव द्वारा अद्भुत श्रद्धा और उत्साह के साथ इंदौर कोर्ट परिसर के पास मनाया गया। कार्यक्रम में संत, समाजसेवी, कलाकार और साहित्यकारों की प्रभावशाली उपस्थिति ने माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

मुख्य रूप से उपस्थित रहे- सदुरु स्वामी अरुणानंद जी महाराज साहेब, पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल, ज्योतिषाचार्य महामंडलेश्वर रमेश अग्रवाल, विश्व प्राकृतिक आध्यात्मिक ध्यान मंदिर की सचिव मां साध्वी अनंता देवी, डॉ. अब्दुल गफ्फार खान, अंतर्राष्ट्रीय कवि सत्येन्द्र कुमार सत्यन, पूर्व जज विवेक मरकाम, साज एकेडमी के सबीर खान, किशन भालसे, सिंगर-डायरेक्टर कविता यादव, डांस डायरेक्टर व ग्रुप लीडर तनिष्क चौहान, भगत कबीर चौहान,खुशबू श्रीवास्तव, शफीक बाबा वारसी, सिंगर वर्षा यादव, सिंगर विजय, सब इंस्पेक्टर दुर्गा सूर्यवंशी, करेंट एक्सपोज न्यूज़ से अनवर खान और साधना सिंह। कार्यक्रम में एक तू ही जयगुरूदेव द्वारा सभी संतों, अतिथियों और भक्तों को आशीर्वाद स्वरूप कलम भेंट की गई।

स्वामी यशवर्धन महाराज की साधनाओं को विश्व कल्याण का महत्वपूर्ण मार्ग बताते हुए अनेक विशिष्ट अतिथियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कलाकारों ने अपने भजन, गीत और कलाम से ऐसा भक्ति-मय वातावरण बनाया कि उपस्थित सभी भक्त भाव-विभोर हो उठे। अंत में साध्वी अनंता देवी ने सभी संतों, अतिथियों, भक्तों और कलाकारों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार आज दिनांक 27/11/2025 को नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी जी उप प्रभारी श्री मनोज अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री अशोक खत्री श्री कमलेश सोलंकी श्री गोपाल यादव श्री पवन टिकेकर के नेतृत्व में जिला इंदौर के आबकारी स्टाफ ने वृत्त महू ब में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई । आज महू के भौंडिया तालाब,बंजारी,भाटखेड़ी व अन्य स्थानों पर पर दबिश दी गयी। आज की कार्यवाही में कुल 10 छापों में 08 प्रकरण आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क व 34(f) के तहत पंजीबध्द किये गये। आज की कार्यवाही में 220 लिटर हाथ भट्टी मदिरा व 1850 kg महुआ लहान सैंपल लेकर मोके पर नष्ट किया गया |मदिरा,महुआ लहान व सामग्री का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 230000/- रुपए है आज की कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक बी डी अहिरवार, सुनील मालवीय, मीरा सिंह, आशीष जैन, मीना माल, त्रिअंबिका शर्मा, कृतिका द्विवेदी के द्वारा की गई उक्त की गई कार्यवाही में आबकारी आरक्षक ओमप्रकाश साहू, कमलेश निहोरे, मोहित रायकवार, एलेन बघेल, विक्रम यादव, विजय सोलंकी, वीरेन्द्र पटेल, विनीता नागराज, विवेक कनाडे, संजय सिंगार, नितिन सोनी, ललित गीते, रीना भिड़े, राहुल जामोद आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मनोज परमार का बड़ा खुलासा-देपालपुर की करोड़ों की सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं का खेल उजागर!

आदित्य शर्मा

इंदौर। देपालपुर तहसील के ग्राम रुणावदा में करोड़ों रुपये की सरकारी चरनोई भूमि को निजी नामों में दर्ज कराने का बड़ा घोटाला सामने आया है। इस पूरे प्रकरण को सामने लाए हैं अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार। उन्होंने न सिर्फ जिलाधीश को विस्तृत ज्ञापन सौंपा, बल्कि कलेक्टर कार्यालय पर सैकड़ों लोगों के साथ जोरदार धरना–प्रदर्शन कर प्रशासन को कार्रवाई के लिए मजबूर किया।

मनोज परमार ने बताया-सरकारी चरनोई जमीन 1959–60 में निजी कैसे बन गई? मनोज परमार के अनुसार रुणावदा गांव की सर्वे नंबर 130/1/2, रकबा 1.295 हेक्टेयर भूमि वर्ष 1925–26 में सरकारी चरनोई दर्ज थी। लेकिन किदवई मार्ग, देपालपुर के करामत खान, मुख्त्यार खान, नौशाद खान, मोहम्मद खान आदि लोगों ने 1959–60 में रिकॉर्ड बदलकर इसे निजी जमीन दिखा दिया। बाद में यह जमीन करोड़ों रुपये में ओम विष्णु खाती को बेची गई।

मनोज परमार बोले-"एक ही प्रकरण से दो-दो आदेश... राजस्व विभाग में बड़ा खेल" 14 दिसंबर 2024 व 20 जनवरी 2025 तत्कालीन तहसीलदार शेखर चौधरी ने नामांतरण दो बार निरस्त किया।

18 जून 2025- तहसीलदार लोकेश आहूजा ने अचानक उसी जमीन का नामांतरण मंजूर कर दिया, उसी प्रकरण क्रमांक 0779/अ-5 के तहत!

3 नवंबर 2025- वर्तमान तहसीलदार धर्मेन्द्र चौकसे ने जमीन को फिर नए नामों पर दर्ज कर दिया।

मनोज परमार का कहना है कि-"एक ही प्रकरण नंबर से दो-दो आदेश निकलना अपने आप में सबसे बड़ा सबूत है कि पूरा मामला सेटिंग से हुआ है। कलेक्टर कार्यालय पर मनोज परमार का उग्र प्रदर्शन- 'FIR करो वरना आंदोलन तेज होगा' इस घोटाले के विरोध में मनोज परमार ने कलेक्टर कार्यालय पर बड़ा धरना–प्रदर्शन किया। उनके नेतृत्व में सैकड़ों लोग कलेक्टर परिसर पहुंचे और राजस्व विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने के दौरान मनोज परमार ने कहा- "यह सीधा-सीधा लैंड जिहाद है। सरकारी जमीन को भू-माफियाओं, पटवारी और तहसीलदारों ने मिलकर लूटा है। FIR नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा।" धरना स्थल पर उन्होंने पूरे दस्तावेज, दो निरस्ती आदेश, दो नामांतरण आदेश और पटवारी की विरोधाभासी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी।

मनोज परमार की 4 मुख्य मांगें

1. भूमाफियाओं पर गंभीर धाराओं में FIR
2. गलत नामांतरण करने वाले तहसीलदारों पर कठोर शासकीय कार्रवाई
3. झूठी रिपोर्ट देने वाले पटवारी को केस में आरोपी बनाया जाए
4. करोड़ों की सरकारी जमीन को तुरंत सरकारी खाते में वापस दर्ज किया जाए

जांच शुरू होने की संभावना, बड़ा खुलासा संभव रिकॉर्ड में हेरफेर, दो-दो आदेश, विरोधाभासी पटवारी रिपोर्ट और मनोज परमार के धरना–प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन इस मामले की जांच पर विचार कर रहा है। अधिकारी मान रहे हैं कि मामले में "बड़ा घोटाला" सामने आ सकता है।

कृत्रिम तार्किक बुद्धिमत्ता बिना मानवीय, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के निरर्थक रहेगी - डॉ. भरत शर्मा

अँग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

26 नवम्बर 2008 को मुम्बई में हुए आंतकी हमले में इंदौर के युवा श्री गौरव जैन ने अपने प्राण गँवाए थे। अपने समय में सेंट पॉल स्कूल के मेधावी छात्र एवं ओजस्वी वक्ता रहे स्व. गौरव की स्मृति में बी. सी. जैन परिवार, सेंट पॉल स्कूल एवं लायंस सेवा रंजन प्रति वर्ष स्थानीय सेंट पॉल हा. से. स्कूल में एक अँग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। प्रतियोगिता का विषय रहाः ''आर्टिफशियल इंटेलिजेंस प्रोपोज डेंजर टू ह्यूमेनीटी''। सुबह 11 से दोपहर 2.30 बजे तक हुई इस स्पर्धा में अनेकानेक विद्यालय के कक्षा 8वीं एवं 9वीं के तकरीबन 24 बिद्यार्थोयों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना, तिरंगा वंदना एवं राष्ट्रगान से हुई। वाद-विवाद प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी श्रीमती सपना जैन द्वारा दी गयी। आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. भरत शर्मा, सदस्य - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं पूज्य अतिथि फादर जॉलीचन पी. जे. थे। अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. भरत शर्मा, सदस्य - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार कहा की मानवीयता, संवेदनशीलता, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक के सिद्धांत को समाहित करके AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) की सार्थकता भारत के "विश्वगुरु" की ओर बढ़ते प्रयासों का वौश्विक प्रमाण स्थापित करने में सहायक होगा। आधुनिक तकनीक केवल "स्मार्ट मशीनें" नहीं, बल्कि "नैतिक सहयोगी" बने । "बुद्धियोगं उपाश्रित्य मच्चित्तः सततं भव" अर्थात् बुद्धि का प्रयोग कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि केवल लाभ के लिए। भारतीय संस्कृति का दृष्टिकोण इस नई तकनीक को सार्थक सहयोगी के रूप में स्थापित कर सकता है। कार्यक्रम के सूत्रधार लायंस डॉ अ. जै. 'रंजन सर' रहे। अंत में आभार प्रदर्शन आर्जव जैन द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में पक्ष में और विपक्ष में को विजेता घोषित कर प्रमाण पत्र वितरित किए। स्पर्धा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षकगण और संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे।

विजेता ... प्रथम स्थान(पक्ष): शुभ्रा पाण्डे; दिल्ली पब्लिक एलिमेंट्री स्कूल

द्वितीय स्थान(पक्ष): राघवेन्द्र वत्स; चमेली देवी पब्लिक स्कूल

सांत्वना पुरस्कार(पक्ष): हर्षिता यादव; सिका सि. से. स्कूल 2

प्रथम स्थान(विपक्ष): काव्या जैन; दिल्ली पब्लिक एलिमेंट्री स्कूलद्वितीय स्थान(विपक्ष): अन्वेषा चतुर्वेदी; सेंट रेफियल्स हा. से. स्कूल

सांत्वना पुरस्कार(विपक्ष): समृद्धि सिंह राजपूत; चमेली देवी पब्लिक स्कूल गौरव जैन मेमोरियल रनिंग ट्राफी विजेता विद्यालयः दिल्ली पब्लिक एलिमेंट्री स्कूल

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी में लगाई, साइबर व सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता की पाठशाला

आदित्य शर्मा

स्टूडेंट्स को किया, स्वयं के साथ अपने परिजनों को भी साइबर सुरक्षा हेतु सतर्क रहने व यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए प्रेरित।

बेहतर यातायात हेतु इंदौर पुलिस के ट्रैफिक प्रहरी अभियान से तत्समय ही जुड़ गए 250 स्टूडेंट्स

पुलिस कमिश्नर ने जुड़ने वाले ट्रैफिक प्रहरी स्टूडेंट्स की सराहना कर, किया उन्हें प्रोत्साहित।

इंदौर- वर्तमान समय के साइबर अपराधों तथा सुरक्षित यातायात के प्रति आम नागरिकों में जनजागृति लाने के उद्देश्य से, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा निरंतर रूप से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 27.11.25 को सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी में साइबर सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरूकता पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि साइबर और सड़क सुरक्षा आज के समय में हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है, और इनसे बचने का एकमात्र समाधान सतर्कता और जागरूकता ही है। साइबर फ्रॉड से किस तरह बचा जा सके और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करके किस तरह से दुर्घटना को टाला जा सके इन विषय पर आप सभी को जागरूक करना ही हमारा उद्देश्य है। आप सभी नियमों के प्रति जागरूक बने, स्वयं नियमों को समझे, उनका पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

इस दौरान उन्होंने युवाओं को पुलिसिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनमें नागरिकों द्वारा की जाने वाली भागीदारी व उसके महत्व पर भी चर्चा की। साथ ही यातायात प्रबंधन में जनसहभागिता के ट्रैफिक प्रहरी अभियान के बारें में भी जानकारी देकर, इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। डीसीपी श्री आनंद कलादगी द्वारा सड़क सुरक्षा नियमो, दुर्घटना के कारणों व समाधान, ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि आप ट्रैफिक प्रहरी अभियान से जुड़कर

सुगम, सुरक्षित यातायात में अपनी सहभागिता प्रदान कर सकते हैं। एडिशनल डीसीपी क्राइम द्वारा सायबर फ्रॉड से जुड़ी केस स्टडी, सायबर फ्रॉड से बचाव, निजी जानकारी किसी से साझा नही करने और डिजिटल प्लेटफार्म का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के बारे में युवाओं को बताया गया पुलिस कमिश्नर इंदौर की जनभागीदारी की प्रेरणा से प्रेरित होकर सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के 250 स्टूडेंट्स द्वारा मौके पर ही ट्रैफिक प्रहरी अभियान के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया। पुलिस कमिशनर द्वारा उन्हें कैप व गिफ्ट प्रदान कर अभियान से जुड़ने के लिए उनकी सराहना कर प्रोत्साहित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन-4) श्री आनंद कलादगी, अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम श्री राजेश दंडोतिया, अति. पुलिस उपायुक्त यातायात श्री संतोष कुमार कौल सहित अन्य अधिकारीगण व सिंबोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ़ अप्लाइड साइंस के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ विनीथ के नायर, रजिस्टर डॉ मनीष झा एवं फैकल्टी मेंबर्स तथा 800 स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

कपिल मोटर्स द्वारा आयोजित भागवत कथा का हुआ भव्य समापन, अन्नकूट महाभोज में उमड़ा जनसागर

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। कपिल मोटर्स द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा, जो कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से सात दिनों से चल रही थी, आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। कथा के अंतिम दिवस पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे वातावरण में भक्तिरस की अविरल धारा बहती रही। समापन अवसर पर ग्राम पंचायत भटनावर के सरपंच संजय अवस्थी द्वारा वीर सावरकर पार्क के पास भव्य अन्नकूट महाभोज का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर दिव्य वातावरण का अनुभव किया। अन्नकूट वितरण के दौरान सेवा भाव और सौहार्द का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के उपदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया और आयोजन समिति एवं ग्राम पंचायत का धन्यवाद किया। पूरे क्षेत्र में आयोजन की सराहना हो रही है।

इन्दौर नेहरू पार्क पर श्री चिड़ार समाज चुनाव समिति की अहम बैठक संपन्न हुई

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। इन्दौर नेहरू पार्क पर श्री चिड़ार समाज चुनाव समिति की अहम बैठक संपन्न हुई जिसमें 21 दिसंबर में होने वाले श्री चिड़ार समाज के चुनाव को लेकर चुनाव सुचारू रूप से कैसे हो उसे लेखकर अहम निर्णय लिए गए चुनाव प्रक्रिया किस प्रकार से हो , सभी मीटिंग में उपस्थित लोगों ने अपने अपने सुझाव दिए क्योंकि आज तक के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा कि श्री चिड़ार समाज के लोग लोकतांत्रिक तरीके से श्री चिड़ार समाज का अध्यक्ष चुनेंगे, क्योंकि इसके पहले जो भी अध्यक्ष बने है वोह समाज के पंचों द्वारा अध्यक्ष चुने गए है परंतु इस बार इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव होंगे जिसमें कोई भी स्वतंत्र रूप से चुनाव में खड़ा हो सकता है श्री चिड़ार समाज के लोग इसे चुनाव महोत्सव समझ कर

बढ़ जड़कर हिस्सा ले रहे है एवं घर घर जाकर चुनाव का प्रचार प्रसार कर रहे है आगामी 21 दिसंबर को स्थान 65 शिव मंदिर मुसाखेड़ी में चुनाव की तारीख सुनिश्चित कर दी गई है और 10 दिसंबर तक जो लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं वह स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ सकते है 21 दिसंबर को चुनाव के पश्चात भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई है।

सहजयोग, व्यष्टि से समष्टि बनने की आध्यात्मिक यात्रा है

अखण्ड मण्डलाकारं,
व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन, तस्मै श्री
गुरुवे नमः॥

सहजयोग एक अत्यंत सुंदर, सहज, सरल ध्यानपद्धति है, जो हमारे आध्यात्मिक, सामाजिक व शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मराठी में एक कहावत है, 'बहुत सुकृताची जोडी, तयी विठ्ठल आवडी' अर्थात हमारे पूर्वजन्मों के सुकृत्यों के कारण हम परमपिता परमेश्वर की ओर, इनकी अपरंपार महिमा की ओर आकृष्ट होते हैं। प. पू. श्रीमाताजी - कहते हैं, अगर एक बार अपनी इच्छा शक्ति जागृत कर आपने आत्मसाक्षात्कार माँगा तो आपके भीतर स्थित माँ स्वरूपिणी कुंडलिनी शक्ति उर्ध्वगामी होकर आपके आत्मदीप को प्रज्वलित कर देती है। प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग केवल आत्मसाक्षात्कार द्वारा मानवीय उत्थान की बात करता है। हमारा आत्मस्वरूप, परमात्मा का एक अंश, 'शिवांश है और हमारे भीतर आद्याशक्ति कुंडलिनी

के रूप में हैं। यह शास्त्रों में वर्णित है और सहजयोग द्वारा अनुभूत है। प.पू.श्री माताजी कहते हैं एक बार जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है और नियमित ध्यान से जब आपका आत्मसाक्षात्कार पोषित और पल्लवित होता है तब एक बूंद सागर बन जाती है । आत्मा जगत के हर मानव के लिये सामूहिकता और प्रेम का स्त्रोत है। तब आपका चित्त उन सभी लोगों पर जाता है जो मुसीबत में हैं, जिन्हें मदद की जरूरत है। इस चित्त से। जो इतना आलोकित है, प्रबुद्ध है, आप यहीं बैठे बैठे उनकी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। ऐसे लोगो के साथ न युद्ध की जरूरत है, न हथियार की जरूरत है, न किसी / भौगोलिक सीमा विस्तार की जरूरत है..... यह एक विशेष समय है। जहाँ इतने सारे पुष्प है जो सच्चाई को खोज रहे हैं। सभी धर्मो मे इसका वर्णन किया गया है। तब हम किसी से इस बात पर नफरत नहीं करते कि वह इस धर्म में विश्वास करता है या किसी अन्य धर्म में। इसके विपरीत हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं। ये वही शक्ति है जिसके कारण एक बूंद सागर बन जाती है। व्यक्ति समष्टि बन जाता है। प्रेम के हथियार से आप भी अपने हृदय में, परिवार और समाज में शांति स्थापित कर सकते हैं, सहजयोग के माध्यम से। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

थाना छत्रीपुरा में बडी मात्रा में प्रतिवंधित चाईनीज धागा सहित धराये दो आरोपी,70 हजार रुपये के मश्रूका के 200 रोल किये जप्त

छतरीपुरा थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव

खुशबू श्रीवास्तव

थाना छत्रीपुरा क्षेत्र में चायनीज मांझा की चैकिंग के दौरान पुलिस टीम थाना छत्रीपुरा द्वारा एक व्यक्ती को रेडियो चौक वियावानी इंदौर पर चैक किया जिसके पास एक प्रतिवंधित चाईनीज धागा का रोल मिला जिससे उसका नाम पता पूछते उसने अपना नाम देव ओटकर पिता रमेश ओटकर उम्र 25 साल निवासी 6/6 रेडियो चौक वियावानी इंदौर होना बताया व उसके पास से मिले प्रतिवंधित चाईनीज धागा का रोल के वारे में पूछताछ करने पर बताया कि वह यह प्रतिवंधित चाईनीज धागा का रोल समीर मेव निवासी मेवाती मोहल्ला थाना एमजीरोड इंदौर से लेकर आया हूँ जिसकी जानकारी वरिष्ट अधिकारियों को दी गई वाद देव ओटकर द्वारा बताये स्थान पर से आरोपी समीर मेव पिता सफीक मेव उम्र 25 साल निवासी 63 मेवाती मोहल्ला थाना एमजीरोड इंदौर की दुकान से 200 रोल प्रतिवंधित चाईनीज धागा के रोल के साथ समीर मेव पिता सफीक मेव उम्र 25 साल निवासी 63 मेवाती मोहल्ला थाना एमजीरोड इंदौर को पकडा गया आरोपी समीर मेव से प्रतिवंधित चाईनीज धागा के लाने के संबध में पूछताछ कर धारा 223 (बी), 125 बी.एन. एस के तहत बैधानिक कार्यवाही का जा रही है। गिरफ्तार आरोपी 1. समीर मेव पिता सफीक मेव उम्र 25 साल निवासी 63 मेवाती मोहल्ला थाना एमजीरोड इंदौर 2. देव ओटकर पिता रमेश ओटकर उम्र 25 साल निवासी 6/6 रेडियो चौक वियावानी इंदौर को पकडकर की जा रही है वैधानिक कार्यवाही।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

महू SDM राकेश जी परमार से रणजीत टाइम्स टीम की विशेष मुलाकात

महू। रणजीत टाइम्स की डेस्क प्रभारी रेणु केथवास ने आज महू SDM राकेश जी परमार से सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान उन्होंने माता अहिल्या देवी का पवित्र एवं आकर्षक फोटो-फ्रेम भेंट कर SDM परमार का सम्मान किया।

SDM राकेश जी परमार ने इस भावपूर्ण भेंट की सराहना करते हुए कहा कि "माता अहिल्या के आदर्श प्रशासनिक सेवा को सदैव दिशा देते हैं।" इस दौरान उन्होंने रणजीत टाइम्स के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि "रणजीत टाइम्स ने लगातार निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता की मिसाल कायम की है।" SDM परमार ने विशेष रूप से रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गवांडे जी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि "गोपाळ गवांडे जी ने पत्रकारिता में ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त मार्ग प्रशस्त किया है। डेस्क प्रभारी रेणु केथवास ने कहा कि रणजीत टाइम्स आगे भी जनहित, पारदर्शिता और विश्वसनीय पत्रकारिता के अपने संकल्प पर पूरी निष्ठा से कार्य करता रहेगा। मुलाकात सम्मान, सौहार्द और सकारात्मक संवाद के माहौल में सम्पन्न हुई।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

अमित बामोर जी, सिमरोल टीआई, ने दी गोपाल गावंडे जी को रणजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ

सिमरोल। सिमरोल टीआई अमित बामोर जी ने रणजीत टाइम्स के 10 सफल वर्ष पूर्ण होने पर प्रधान संपादक गोपाल गावंडे जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

उन्होंने कहा कि रणजीत टाइम्स ने बीते एक दशक में भरोसेमंद, सटीक और सकारात्मक पत्रकारिता की मिसाल पेश की है, जिसका श्रेय गोपाल गावंडे जी के नेतृत्व, उनकी दूरदृष्टि और टीम के समर्पित प्रयासों को जाता है। अमित बामोर जी ने कहा कि गोपाल जी ने अपने कार्यकाल में मीडिया जगत में निष्पक्षता, अनुशासन और जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए एक मजबूत पहचान स्थापित की है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में भी रणजीत टाइम्स इसी तरह समाजहित, पारदर्शिता और जनसमस्या समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

साथ ही बामोर जी ने यह भी कहा कि 10 वर्ष की यह उपलब्धि केवल एक संस्था का सफ़र नहीं, बल्कि विश्वास, परिश्रम और जनसेवा की कहानी है। उन्होंने गोपाल गावंडे जी और उनकी पूरी टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि रणजीत टाइम्स आने वाले समय में और भी ऊँचाइयों को प्राप्त करे।

विधानसभा क्षेत्र सांवेर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य के बेटे के विवाह समारोह में शनिवार को राजनीतिक और सामाजिक दिग्गजों का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला

इस अवसर पर भाजपा परिवार के कई प्रमुख नेता वर-वधू को

खुशबू श्रीवास्तव

समारोह में कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, कैबिनेट मंत्री के पुत्र, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय तथा राज्य मंत्री सावन सोनकर की विशेष उपस्थिति रही।

इसके साथ ही भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सरवन सिंह चावड़ा, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार, भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष सतीश मालवीय और पूर्व जिला

अध्यक्ष चिंटू वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त भाजपा जनपद अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओम प्रसादिय, वरिष्ठ नेता अंतर सिंह दयाल, सुरेश सिंह धनखेड़ी, पूर्व उपाध्यक्ष गोपाल सिंह चौधरी, प्रेम सिंह ढाबली, राजाराम गोयल, कंचन सिंह चौहान, पूरण शर्मा, संतोष पाटीदार, शिवपाल सिंह चावड़ा, जितेंद्र सिंह आंजना, अजय सिंह पवार और भंडारी जी सहित कई अन्य गणमान्य नागरिक भी रहे।

खलघाट में किसान आंदोलन हुआ शुरू, एमएसपी सहित पाँच माँगो को लेकर नेशनल हाईवे किया जाम

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

रणजीत सिंह ठाकुर

खरगोन जिले के समीपवर्ती धार जिले के नेशनल हाईवे स्थित खलघाट टोल प्लाजा पर सोमवार की सुबह पाँच जिलो के करीब तीन हज़ार किसान राष्ट्रीय किसान मज़दूर संघ के बैनर तले उतरे किसान अपनी मुख्य माँग न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और कर्ज मुक्ति सहित अन्य माँग लेकर हाईवे पर प्रदर्शन किया किसान आंदोलन को लेकर पुलिस विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए खलघाट में भारी वाहनो के प्रवेश को रोक दिया है जिला प्रशासन धार ने टोल प्लाजा के दोनों और 500 मीटर के दायरे में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं।

मुस्लिम व्यक्ति अपनी दूसरी पत्नी के प्रति दायित्व का हवाला देकर पहली पत्नी को गुज़ारा भत्ता देने से इनकार नही कर सकता: केरल HC

केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक मुस्लिम आदमी अपनी दूसरी पत्नी के प्रति ज़िम्मेदारियों का हवाला देकर या यह दावा करके कि उनका बेटा उनकी आर्थिक मदद कर रहा है, अपनी पहली पत्नी को गुज़ारा भत्ता देने से बच नहीं सकता जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने समझाया कि हालांकि मुस्लिम पर्सनल लॉ एक आदमी को एक से ज़्यादा शादी करने की इजाज़त देता है, लेकिन भारत में शरिया कानून और मुस्लिम पर्सनल लॉ, दोनों के तहत, एक से ज़्यादा शादी की इजाज़त सिर्फ़ खास हालात में ही दी जाती है और इस सख्त शर्त के साथ कि सभी पत्नियों के साथ सही बर्ताव किया जाए।

जज ने आगे कहा, "एक मुस्लिम पति को एक से ज़्यादा पत्नियां रखने का कोई खास हक नहीं है। मुस्लिम कानून के तहत एक से ज़्यादा शादी करना नियम है ।

घर में दीपक प्रज्ज्वलन का दिव्य महत्व

धार्मिक, आध्यात्मिक और सकारात्मक ऊर्जा से भरी परंपरा

सुबह-शाम घी का दीपक: घर में शुभता और सकारात्मक तरंगों का संचार

भारतीय संस्कृति में दीपक को शुभता, पवित्रता और दिव्य ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। प्रतिदिन प्रातः और सायं घी का दीपक प्रज्ज्वलित करने से घर में सात्विक कंपन बढ़ते हैं। घी के दीपक की लौ कम से कम 15-20 मिनट तक जलना चाहिए, ताकि उसकी गर्माहट और रोशनी पूरे वातावरण को शुद्ध कर सके। इसकी ज्योति घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर मन को शांति और संतुलन प्रदान करती है।

भगवान को चढ़ाया गया दीपक और आरती का दीपक अलग क्यों?

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान को अर्पित किया गया दीपक पूजा का पवित्र अंग माना जाता है, इसलिए इसे आरती में उपयोग नहीं किया जाता। आरती का दीपक अलग रखने से पूजा की पवित्रता, सम्मान और आध्यात्मिक अनुशासन बना रहता है। यह भक्ति की दो अलग धाराओं-अर्पण और आराधना-का प्रतीक है।

दीपक को जमीन पर न रखने का आध्यात्मिक कारण

भारतीय परंपरा में धरती को माता का रूप माना गया है। इसलिए दीपक को सीधे भूमि पर रखना उचित नहीं माना जाता। दीपक को हमेशा किसी साफ पात्र में या नीचे अक्षत (चावल) रखकर स्थापित करना चाहिए। अक्षत शुभता, स्थिरता और मंगल का प्रतीक होते हैं, जिससे दीपक का महत्व और ऊर्जा और अधिक शक्तिशाली हो जाती है।

घर को पवित्र, मन को शांत और जीवन को उज्ज्वल बनाता है दीपक

घी के दीपक की लौ केवल रोशनी नहीं फैलाती, बल्कि घर में सुख-समृद्धि, शांति और सकारात्मकता का प्रकाश भर देती है। प्रतिदिन दीपक जलाना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक दिव्य अभ्यास है जो आपके घर के वातावरण को पवित्र बनाता है और जीवन में शुभ ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त करता है।

रणजीत टाइम्स

आचार्य पं. सागर जी

| कर्मकांड | वास्तु शास्त्र |
| ज्योतिष विशेषज्ञ | हनुमान मंदिर

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

रेल्वे पुलिस ने स्कूली छात्रों को दी रेल सुरक्षा की जानकारी नियमों की अनदेखी पर कडी हिदायतें

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

झाबुआ : राजेश सोनी

रेलवे स्टेशनो पर अनावश्यक घूमने, रेलवे नियमों को लेकर जागरूकता को लेकर रेल्वे सुरक्षा बल द्वारा स्कूली छात्रों के माध्यम से रेल्वे सुरक्षा एवं नियमों की जानकारी समझाईश एवं हिदायतों के माध्यम से दी जा रही है। जिले के प्रमुख रेल स्टेशन बामनिया आरपीएफ चौकी प्रभारी मायाराम गुर्जर अपने बल के साथ बामनिया के शा बालक उ मा विघालय पहुंचे और विघार्थियों को रेल्वे से जुडे कई नियमों की जानकारी दी साथ ही नियमों को लेकर कडी हिदायतें भी दी।

चौकी प्रभारी मायाराम गुर्जर ने छात्रों को बताया कि अनावश्यक रूप से रेल स्टेशन पर आना-जाना, पैदल पुल का उपयोग नहीं करते हुए सीधे रेल पटरियां पार करना ,रेल गाडियों पर पत्थर फेंकने जैसे कार्य किसी के भी द्वारा नहीं किए जाने चाहिए जिसके लिए अन्य को भी हमें जागरूक करना है। क्योंकि रेल्वे क्षेत्र में लापरवाही, ट्रेकपासिंग और स्टोन पोटिंग जैसे कार्य जानलेवा होने के साथ ही गंभीर दण्डनीय अपराध है ।ऐसे मामलों में कठोर कार्यवाही निर्धारित है । उन्होंने छात्रों से कहा कि रेल्वे सुरक्षा और नियमों को लेकर हमें जागरूक बनना है और दूसरों को भी जागरूक बनाना जिससे हम स्वंय की सुरक्षा कर सकेगें ।

इनका कहना है- रेल स्टेशन क्षेत्र में अनावशयक आवाजाही ,रेल पटरियां पार करने और नियमों के उल्लंघन को रोकने को लेकर स्कूली छात्रों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिससे दुर्घटनाओं को लेकर भी रोक लग सकेगी।

-मायाराम गुर्जर, प्रभारी, आरपीएफ चौकी बामनिया

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 2 दिसम्बर 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की पहल रंग लाई

देशभर के अधिस्वीकृत पत्रकारों को पुनः मिलेगा रेलवे कंसेशन 27 दिसंबर को आयोजित होगा "आभार सम्मेलन": डॉ नवीन आनंद जोशी

»» "सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
»» मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
»» मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
»» हो कहीं भी आग, लेकिन जलनी चाहिए।"

भोपाल। देश के पत्रकार समुदाय के लिए यह अत्यंत हर्ष और राहत का विषय है कि लंबे समय से बंद पड़ी रेलवे कंसेशन सुविधा अब पुनः बहाल होने जा रही है। यह उपलब्धि पत्रकारों के अधिकारों और उनके पेशेगत दायित्वों के प्रति समर्पित संगठनों के निरंतर संघर्ष और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) के महासचिव तथा मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी, और बीएसपीएस की मध्यप्रदेश इकाई—जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ़ मध्यप्रदेश (जंप) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना* ने बताया कि पत्रकारों को रेलवे कंसेशन पुनः उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने सिद्धांततः स्वीकृति प्रदान कर दी है। जल्द ही यह सुविधा औपचारिक रूप से बहाल कर दी जाएगी। नेताद्वय के अनुसार, गत वर्ष दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर से जुटे श्रमजीवी पत्रकारों ने एक ऐतिहासिक धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें सरकार के समक्ष रखी थीं

»» पत्रकार सुरक्षा कानून,
»» पत्रकारों हेतु पूर्ण स्वास्थ्य बीमा योजना,
»» अधिस्वीकृत पत्रकारों को रेलवे कंसेशन,
»» तथा देशभर में टोल शुल्क से छूट।

इन मांगों में से रेलवे कंसेशन की मांग को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लेते हुए स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत ज्ञापन पर सकारात्मक विचार करते हुए प्रधानमंत्री व रेल मंत्री दोनों ने पत्रकारों के लिए यात्रा सुविधा की आवश्यकताओं को समझते हुए इसे आगामी बजट सत्र से लागू करने की सहमति व्यक्त की है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक पांडे, संघ के संस्थापक शहनवाज़ हसन, संगठन मंत्री गिरिधर शर्मा, तथा देशभर की सक्रिय इकाइयों ने इस आंदोलन को एक राष्ट्रीय स्वरूप देकर सरकार को पत्रकारों की वास्तविक जरूरतों पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया। पत्रकारों का यह प्रदर्शन पत्रकारिता जगत में ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित हुआ। रेलवे विभाग के सूत्रों के अनुसार, अधिस्वीकृत पत्रकारों को पहले की ही भांति निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत रेलवे कंसेशन उपलब्ध कराया जाएगा। जंप के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी पत्रकार साथियों को बधाई देते हुए घोषणा की कि आगामी 27 दिसंबर को एक भव्य "आभार सम्मेलन" आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर के पत्रकार साथी एकजुट होकर भारत के माननीय प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त करेंगे।

लोकायुक्त विभाग की सक्रियता के बीच जिला अभियोजन अधिकारी आशीष जी खरे से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा की महत्वपूर्ण मुलाकात

इंदौर। भ्रष्टाचार पर सख्ती और पारदर्शिता को मज़बूती देने में अग्रणी लोकायुक्त विभाग के जिला अभियोजन अधिकारी श्री आशीष जी खरे से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा ने विशेष शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि यह सीधे तौर पर लोकायुक्त विभाग की कार्यशैली, जांच व्यवस्था और जनहित में उठाए जा रहे कड़े कदमों पर केंद्रित रही। बैठक के दौरान आदित्य शर्मा ने लोकायुक्त विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों, मामलों की निष्पक्ष कार्रवाई, तथा प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर विस्तृत चर्चा की। श्री खरे ने स्पष्ट कहा कि लोकायुक्त विभाग का प्रत्येक कदम भ्रष्टाचार-विरोधी संकल्प और शून्य-सहनशीलता नीति पर आधारित है। इस अवसर पर आदित्य शर्मा ने सम्मान स्वरूप देवी अहिल्या माता की भव्य फोटो-फ्रेम भेंट की। श्री खरे ने इसे प्रेरणा और सद्भाव का प्रतीक बताते हुए धन्यवाद व्यक्त किया तथा कहा कि लोकायुक्त विभाग और मीडिया का पारदर्शी संवाद, जनहित में निर्णायक भूमिक निभाता है। मुलाकात सम्मान, जागरूकता और लोकायुक्त विभाग की मजबूत भूमिका पर केंद्रित एक प्रभावशाली क्षण साबित हुई।

सहजयोग बालकों व किशोरों को नकारात्मकता व दुर्व्यसनों से दूर रखता है

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार, सहज योग मात्र वयस्कों या अभिभावकों के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है अपितु बच्चों में भी सहयोग का विकास किया जाना चाहिए । अधिकांशतः सब यह सोचते हैं कि कुंडलिनी जागरण या आत्मा का योग होने के कारण इसका अभ्यास वयस्कों को करना चाहिए, परंतु श्री माताजी ने अनेक अवसरों पर अपने अमृत वचनों में स्पष्ट रूप से वर्णन किया है कि बच्चे स्वयं श्री गणेश का अंश होते हैं, उनमें अबोधिता तथा पवित्रता जैसे गुण अंतर्जात ही होते हैं तथा बच्चे अनेक प्रकार की नकारात्मकताओं से स्वयं ही दूर होते हैं। यदि बालपन से उन्हें सहजयोग में उतारा जाए तो वह अल्प समय में ही सहज में प्रतिस्थापित हो जाते हैं ।जैसे - जैसे उम्र का विकास होता है मनुष्य के अंदर से अनेक गुणों का ह्रास होता जाता है परंतु यदि बालपन से ही बच्चे सहज जीवन का अंग होते हैं, तो उनमें विवेकशीलता, बुद्धिमत्ता तथा अनुशासन सदैव बना रहता है। श्री माताजी के अनुसार, बच्चों की शिक्षा का अभिभावकों को विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा उन्हें उनकी रुचि अनुसार विद्या अध्ययन का अवसर प्रदान करना चाहिए। सहजयोग विद्यार्थियों में एकाग्रता स्थापित करने में अत्यंत मददगार होता है साथ ही समाज में व्याप्त अनेक बुराइयों व नकारात्मक चीजों से सहजयोगी बालक सदैव संरक्षित रहता है। अनेक ऐसे उदाहरण हैं जिसमें आत्म साक्षात्कारी सहज योगी बालकों ने अपने मनचाहे क्षेत्र में उच्च सफलताएं अर्जित कर अपना कैरियर बनाया है । मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज का निर्माण करने में सक्षम हो सकते हैं अतः व्यक्ति में सहज योग की प्रतिष्ठा बचपन में ही की जानी चाहिए ताकि वे श्री माता जी की कृपा से समाज के जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभा सकें तथा धर्म की स्थापना में सहायक हों। पूर्णतः निःशुल्क सहजयोग के अनगिनत लाभों से लाभान्वित होने हेतु जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 तथा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)